संयुक्त परिवार के कार्य

संयुक्त परिवार आज भी भारतीय ग्रामीण समाजिक ढाँचे का मुल आधार है अभी तक समाज में इसके बाकी रहने का कारण इसके मूलभूत कार्य या लाभ हैं। समाजिक तथा आर्थिक क्षेत्र में इसके द्वारा किये जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों की चर्चा इस प्रकार की जा सकती है।

1. समाजिक सुरक्षा का कार्य: संयुक्त परिवार अपने सदस्यों को समाजिक तथा मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसमें बूढ़े, बच्चे, विधवा तथा अपाहिजों आदि का उनके पद के अनुसार भरण पोषण किया जाता है। संयुक्त परिवार के कारण ही ऐसे व्यक्तियों के लिये दूसरे से भय नहीं माँगनी पड़ती है।

2. समाजीकरण एवं शिक्षा का कार्य: संयुक्त परिवार में बड़ी आयु के सदस्य होते हैं जिन्हें जीवन के अनुभवों से भरे रहते हैं। उनकी देख रेख में नई पीढ़ी के समाजीकरण तथा शिक्षा का कार्य किया जाता है। इसलिये यह देखा गया है कि संयुक्त परिवार में समाजीकरण का कार्य अच्छे से होता है।

3. सांस्कृतिक निरन्तरता को बनाये रखने का कार्य: भारतीय समाज में अनेक प्रकार के उथल पथल होने के बाद भी भारतीय संस्कृति अपनी जगह बची हुई है।

Scanned with CamScanner

इसका श्रेय संयुक्त परिवार को ही जाता है। संस्कृति मूल्यों का यदि कोई सदस्य विरोध करने की चेष्टा करता है तो परिवार के बड़े; बूढ़े उसका विरोध करते हैं इस प्रकार सांस्कृतिक निरन्तरता बनी रहती है।

4. स्वस्थ मनोरंजन का साधन! संयुक्त परिवार में आपसी वार्तालाप, हँसी मजाक तथा अनेक प्रकार के सामाजिक व धार्मिक त्यौहार होते रहते हैं जिनसे सदस्य अपनी थकान दूर कर लेते हैं, साथ ही छोटे बच्चों के खेल, उनकी मधुर मुस्कान उनकी बातें आदि सदस्यों का मनोरंजन करती रहती है।

5. अनुशासन तथा सामाजिक नियन्त्रण: संयुक्त परिवार में धार्मिक व नैतिक आधार पर व्यक्ति की व्यक्तिवादी धारणा को नियन्त्रित करते हैं। यह नियन्त्रण मनुष्य के बाहरी व आन्तरिक दोनों क्षेत्रों में होता है। पारिवारिक अनुशासन में कठोरता होने के कारण कोई भी सदस्य गलत या अनैतिक कार्य नहीं करता है।

6. धर्म तथा समाज सेवा का अवसर। संयुक्त परिवार सम्पूर्ण परिवार के सभी सदस्यों की देख भाल करता है इसलिये व्यक्ति समाज अथवा धर्म सेवा के लिये बिना चिन्ता के समय निकाल लेता है।

7. धन का उचित उपयोग: संयुक्त परिवार के सदस्यों द्वारा अपनी आय के द्वारा संयुक्त कोष का निर्माण होता है तथा सुविधाओं का समान प्रबंध होने के कारण प्रति व्यक्ति खर्च कम होता है। परिवार की अनावश्यक व्यय पर नियन्त्रण रखा जाता है जिसके फलस्वरूप फजूलखर्ची

Ch. of J.F.

पर आधारित रहता है।

8. सम्पत्ति विभाजन से रक्षा: परिवार का कार्य समान कोष से चलने के कारण सम्पत्ति विभाजित नहीं होती है। अगर बार बार विभाजित होती रहे तो अन्त में एक ऐसी अवस्था आ जाती है जब सम्पत्ति प्रयाप्त मुश्किल हो जाता है।

9. श्रम विभाजन की व्यवस्था: संयुक्त परिवार अपने सदस्यों को योग्यता के अनुसार ही कार्य सौंपता है जिसके कारण परिवार में व्यवस्था बनी रहती है।

इन कार्यों के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि संयुक्त परिवार एक निगम के समान है जिसमें सभी व्यक्ति अपनी योग्यता के अनुसार कमाते हैं और खर्च करते हैं।

— × —